

6 दिसंबर, 2021 करेंट अफेयर्स

1. भारत-यूएई सीईपीए वार्ता:



- केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल ही में कहा कि भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच व्यापार वार्ता अब एक उन्नत चरण में है और दोनों भागीदारों के जनवरी 2022 तक व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते (सीईपीए) को पूरा करने की उम्मीद है।
- भारत और संयुक्त अरब अमीरात ने सितंबर 2021 में व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता शुरू किया था। हाल ही में, दोनों देशों ने तीसरे दौर की बातचीत की।

सीईपीए के बारे में:

- 2017 में, सीईपीए, भारत और संयुक्त अरब अमीरात के बीच एक आर्थिक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- यह एक मुक्त व्यापार समझौता है।
- इसमें व्यापार और सेवाओं, निवेश और अन्य आर्थिक भागीदारी पर बातचीत शामिल है।
- इसमें प्रतिस्पर्धा, सहयोग और बौद्धिक संपदा अधिकार भी शामिल हैं।
- यह देशों के बीच व्यापार के नियामक पहलुओं को भी देखता है।

सीईपीए का क्या महत्व है?

- मार्च 2021 तक, संयुक्त अरब अमीरात भारत में तीसरा सबसे बड़ा निवेशक है। भारतीय कंपनियों ने **यूई में 85 अरब अमेरिकी डॉलर** का निवेश किया है। संयुक्त अरब अमीरात से भारत के प्रमुख आयात **पेट्रोलियम उत्पाद, पत्थर, आभूषण, रत्न हैं। प्रमुख निर्यात खनिज**, कीमती धातु, रत्न हैं। सीईपीए के साथ, द्विपक्षीय व्यापार 5 वर्षों के भीतर बढ़कर 100 बिलियन अमरीकी डालर हो जाएगा।
- यूई पांच दशकों से भी अधिक समय से भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक सहयोगी रहा है।

भारत के अन्य प्रकार के समझौते कौन से हैं?

- PTA जिसका पूर्ण रूप **Preferential Trade Agreement** है, विशिष्ट वस्तुओं के आयात या निर्यात शुल्क को कम करने पर केंद्रित है।
- CECA जिसका पूर्ण रूप **Comprehensive Economic Cooperation Agreement** है, इसमें टैरिफ दर कोटा और व्यापार शुल्क पर बातचीत शामिल है।
- BIT जिसका पूर्ण रूप **Bilateral Investment Treaty** है, इस समझौते के अंतर्गत, देश निजी निवेश के लिए शर्तों पर निर्णय लेते हैं।
- TIFA जिसका पूर्ण रूप **Trade and Investment Framework Agreement** है, यह व्यापार के विस्तार के लिए एक रूपरेखा स्थापित करता है।

2. पाइका विद्रोह को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम नहीं कहा जा सकता:

- हाल ही में केंद्र ने घोषणा की है कि पाइका विद्रोह को प्रथम स्वतंत्रता संग्राम नहीं कहा जा सकता है।
- केंद्र ने यह भी सुझाव दिया है कि इसे कक्षा 8 राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) इतिहास की पाठ्यपुस्तक में केस स्टडी के रूप में शामिल किया जाएगा।



- 2017 में, ओडिशा राज्य कैबिनेट पहला राज्य मंत्रिमंडल था जिसने केंद्र से औपचारिक रूप से पाइका विद्रोह को स्वतंत्रता के पहले युद्ध के रूप में घोषित करने का आग्रह करने का प्रस्ताव पारित किया था।
- परिणामस्वरूप, 2018 में सरकार ने पाइका विद्रोह की स्मृति में स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी किया था।

मुख्य बिन्दु:

पाइका कौन थे?

- पाइका (उच्चारण "पाइको", शाब्दिक रूप से 'पैदल सैनिक'), सैन्य अनुचरों का एक वर्ग था, जिन्हें 16 वीं शताब्दी के बाद से ओडिशा में राजाओं द्वारा विभिन्न सामाजिक समूहों से वंशानुगत किराए मुक्त भूमि (निश-कर जागीर) और उपाधियों के बदले में मार्शल सेवाएं प्रदान करने के लिए भर्ती किया गया था।
- जब अंग्रेज पहुंचे तो वे ओडिशा के गजपति शासक मुकुंद देव द्वितीय के किसान सैनिक थे।

ब्रिटिश दमन:

- अंग्रेजों के नए औपनिवेशिक प्रतिष्ठानों और भू-राजस्व बस्तियों के लागू होने पर पाइकाओं ने अपनी भूमि और संपत्ति खो दी।

- ओडिशा में ब्रिटिश शासन की स्थापना के बाद पाइकाओं के विरुद्ध दमन की नीति अपनाई गई। उन्होंने समाज में अपनी पारंपरिक ख्याति खो दी और उनकी भूमि अंग्रेजों द्वारा छीन ली गई।
- अर्थव्यवस्था और राजस्व व्यवस्था में निरंतर हस्तक्षेप के कारण पाइका का शोषण हुआ और किसानों के उत्पीड़न ने अंततः अंग्रेजों के विरुद्ध विद्रोह को जन्म दिया।
- खुर्दा में पाइकाओं के विद्रोह से पहले और बाद में परलाखेमुंडी (1799-1814), घुमुसर (1835-36) और अंगुल (1846-47), कालाहांडी में कोंधों का विद्रोह (1855) और 1856-57, के सबारा विद्रोह में फिर से परलाखेमुंडी में विद्रोह हुआ।
- इन विद्रोहों का नेतृत्व संपत्ति वाले वर्गों ने किया था जिनकी स्थिति औपनिवेशिक हस्तक्षेपों से कमजोर हो गयी थी।

पाइका विद्रोह \ विद्रोह के बारे में:

- 1817 का पाइका विद्रोह (पाइका विद्रोह) पहले सिपाही विद्रोह से लगभग 40 साल पहले हुआ था।
- बक्शी जगबंधु विद्याधर महापात्र भरमारबार राय, मुकुंद देव द्वितीय के सर्वोच्च रैंक वाले सैन्य जनरल, और आकर्षक रोडंगा एस्टेट के पूर्व धारक, ने कोंधों के विद्रोह में शामिल होने के लिए पाइका की एक सेना का नेतृत्व किया।
- उन्होंने 2 अप्रैल 1817 को अंग्रेजों का सामना किया।
- पाइकाओं को शासकों, जमींदारों, ग्राम प्रधानों और साधारण किसानों का समर्थन प्राप्त था। यह विद्रोह शीघ्र ही प्रांत के विभिन्न भागों में फैल गया।
- बानापुर में सरकारी भवनों में आग लगा दी गई, पुलिसकर्मियों की हत्या कर दी गई और ब्रिटिश खजाने को लूट लिया गया।
- अगले कुछ महीनों तक, विद्रोह चलता रहा, परन्तु अंततः ब्रिटिश सेना ने उस पर काबू पा लिया। और क्योंकि विद्याधर को 1825 में जेल में डाल दिया गया था और चार साल बाद जेल में रहते हुए उसकी मृत्यु हो गई, विद्रोह फीका पड़ गया।

3. भारत ने 'वर्टिकल लॉन्च- शॉर्ट रेंज सरफेस टू एयर मिसाइल' का परीक्षण किया:



हाल ही में, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने "वर्टिकल लॉन्च-शॉर्ट रेंज सरफेस-टू-एयर मिसाइल" का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।

प्रमुख बिंदु:

- मिसाइल का परीक्षण चांदीपुर में एकीकृत परीक्षण रेंज से किया गया, जो ओडिशा तट पर स्थित है।
- इसका प्रक्षेपण एक ऊर्ध्वाधर लांचर से बहुत कम ऊंचाई पर एक इलेक्ट्रॉनिक लक्ष्य की ओर किया गया था।
- वाहन के उड़ान पथ और उसके स्वास्थ्य मानकों को ट्रैक करने के लिए कई उपकरणों का उपयोग किया गया था। इन ट्रैकिंग उपकरणों को एकीकृत परीक्षण रेंज, चांदीपुर द्वारा तैनात किया गया था।

इस प्रक्षेपण का उद्देश्य क्या था?

- कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली इस मिसाइल का प्रक्षेपण सभी हथियार प्रणाली घटकों जैसे कि कनस्तरिकृत उड़ान वाहन, नियंत्रक के साथ ऊर्ध्वाधर लांचर इकाई, हथियार नियंत्रण प्रणाली आदि के एकीकृत संचालन को मान्य करने के लिए किया गया था, क्योंकि भविष्य में भारतीय नौसेना के जहाजों से इन्हें प्रक्षेपित करना आवश्यक होगा।

इस प्रक्षेपण का महत्व:

- इस प्रणाली के प्रारंभ से भारतीय नौसेना के जहाजों की हवाई खतरों के विरुद्ध रक्षा क्षमता में और वृद्धि होगी।

- इसने भारतीय नौसैन्य जहाजों पर हथियार प्रणालियों के एकीकरण का मार्ग भी प्रशस्त किया है।

वर्टिकल लॉन्च के बारे में - कम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (VL-SRSAM):

- वीएल-एसआरएसएम सतह से हवा में मार करने वाली एक त्वरित प्रतिक्रिया मिसाइल है जिसे डीआरडीओ द्वारा विकसित किया गया है। इसमें फाइबर-ऑप्टिक गायरोस्कोप के माध्यम से मध्य-पाठ्यक्रम जड़त्वीय मार्गदर्शन के साथ-साथ टर्मिनल चरण के सक्रिय रडार होमिंग जैसी विशेषताएं शामिल हैं।
- इस मिसाइल में 'लॉन्च से पहले लॉक (LOBL)' और लॉन्च के बाद लॉक (LOAL) की अनूठी क्षमता है। परिणाम स्वरूप, यह डेटालिंक के माध्यम से मध्य-पाठ्यक्रम अद्यतन प्राप्त करता है। यह भारतीय नौसेना के युद्धपोतों पर "बराक 1 सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली" के स्थान पर प्रयोग करने के लिए है।

मिसाइल के डिजाइन के बारे में:

- वीएल-एसआरएसएम "एस्टा मार्क 1 हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल" पर आधारित है, इसमें चार शॉर्ट-स्पैन लॉन्ग-कोर्ड क्रूसिफॉर्म विंग्स शामिल हैं।
- इसमें एक अतिरिक्त जेट वेन संचालित थ्रस्ट वेक्टर नियंत्रण भी है, जो लंबवत लॉन्च पर त्वरित प्रतिक्रिया समय को सक्षम बनाता है।
- प्रत्येक वर्टिकल लॉन्च सिस्टम (वीएलएस) जुड़वां क्राइ-पैक कनस्टर विन्यास में चालीस मिसाइलों को धारण कर सकता है। इस मिसाइल में 360° अन्तर्रोधन क्षमता है। इस प्रकार, यह किसी भी दिशा से खतरों का पता लगा सकता है और उन्हें संलग्न कर सकता है।

इस लॉन्च की पृष्ठभूमि:

- इस प्रक्षेपण से पहले DRDO ने 22 फरवरी 2021 को दो VL-SRSAM का परीक्षण किया था।
- यह पहला प्रक्षेपण था जिसने ऊर्ध्वाधर प्रक्षेपण प्रणाली की प्रभावकारिता के साथ-साथ मिसाइल की अधिकतम और न्यूनतम सीमा का परीक्षण किया।
- डीआरडीओ ने सभी हथियार प्रणाली घटकों के एकीकृत संचालन को मान्य करने के लिए 7 दिसंबर, 2021 को दूसरा परीक्षण किया।

4. धूमकेतु A1 लियोनार्ड: 2021 में खोजा गया पहला धूमकेतु चर्चा में क्यों है?



- क्योंकि यह धूमकेतु A1 लियोनार्ड 18 दिसंबर 2021 को पृथ्वी के पास से गुजरेगा।
- धूमकेतु A1 लियोनार्ड एक लंबी अवधि का धूमकेतु है। इसकी खोज इसी वर्ष जनवरी में जीजे लियोनार्ड ने की थी।
- यह 2021 में खोजा जाने वाला पहला धूमकेतु था। अब यह दिसंबर 2021 में नग्न आंखों की दृश्यता तक पहुंच गया। यह जनवरी 2022 में सूर्य के सबसे करीब पहुंच सकता है।

A1 लियोनार्ड दीर्घ अवधि का धूमकेतु है:

- दीर्घ अवधि के धूमकेतुओं की विलक्षण कक्षाएँ होती हैं। उनकी कक्षीय अवधि सीमा 200 वर्ष से अधिक होती है।
- यह आमतौर पर हजारों से लेकर लाखों वर्ष तक होती है। जबकि लघु अवधि के धूमकेतु वे धूमकेतु होते हैं जिनकी कक्षीय अवधि 200 वर्ष से कम होती है।
- उनकी कक्षाएँ उन्हें बाह्य ग्रहों (बृहस्पति और बाकी) से परे ले जाती हैं। माना जाता है कि लघु अवधि के धूमकेतु सेंटौर से उत्पन्न हुए हैं।

A1 लियोनार्ड की एक प्रतिगामी कक्षा है

- प्रतिगामी कक्षा प्राथमिक के घूर्णन के विपरीत दिशा में खगोलीय पिंड की घूर्णन गति है। दूसरी ओर, सहगामी कक्षा वस्तु की गति उसी दिशा में होती है जिस दिशा में उसकी प्राथमिक गति होती है।
- मान लीजिए, सूर्य पश्चिम से पूर्व की ओर घूम रहा है। यदि पृथ्वी पश्चिम से पूर्व की ओर चक्कर लगा रही है, तो पृथ्वी की कक्षा को सहगामी कहा जाता है। यदि पृथ्वी पूर्व से पश्चिम की ओर चक्कर लगा रही है तो कक्षा को प्रतिगामी कहा जाता है।

5. हाल ही में हॉर्नबिल महोत्सव शुरू किया गया है:



- हॉर्नबिल महोत्सव, जिसे 'त्योहारों के त्योहार' के रूप में जाना जाता है, नागालैंड का 10-दिवसीय वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है जो लोक नृत्यों, पारंपरिक संगीत, स्थानीय व्यंजनों, हस्तशिल्प, कला कार्यशालाओं आदि के माध्यम से समृद्ध और विविध नागा जातीयता को प्रदर्शित करता है।
- 1 दिसंबर को इस त्योहार की शुरुआत नागालैंड राज्य स्थापना दिवस का प्रतीक है इसका अर्थ है कि नागालैंड को 1963 में इसी दिन राज्य का दर्जा दिया गया था।
- वार्षिक रूप से, हॉर्नबिल उत्सव 1 दिसंबर से 10 दिसंबर के बीच पूर्वोत्तर क्षेत्र और नागालैंड राज्य में मनाया जाता है।
- इस त्योहार का नाम भारतीय हॉर्नबिल पक्षी के नाम पर रखा गया है। यह एक बड़ा और रंगीन वन पक्षी है।
- इस त्योहार का नाम इसी पक्षी के नाम पर रखा गया है क्योंकि यह नागालैंड राज्य के अधिकांश आदिवासियों के लोककथाओं में प्रदर्शित होता है।

राज्य के राजस्व के भाग के रूप में:

- यह त्योहार भारत के उत्तर पूर्वी हिस्से में महत्वपूर्ण पर्यटन राजस्व का योगदान देता है।
- यह मुख्य रूप से इसलिए है क्योंकि हॉर्नबिल उत्सव नागालैंड की विभिन्न जनजातियों में एक अंतर्दृष्टि प्रदान करता है।
- यह हस्तशिल्प, नर्तकियों, खेलकूद, धार्मिक समारोहों और भोजन मेलों का एक रंगीन मिश्रण प्रदान करता है। इस त्योहार के दौरान नागा मोरंग प्रदर्शनी भी आयोजित की जाती है।

कौन हैं नागा मोरंग?

- नागा मोरंगों को नागा भी कहा जाता है।
- वे उत्तर पश्चिमी म्यांमार और उत्तर पूर्वी भारत के मूल निवासी (किसी विशेष क्षेत्र के शुरुआती ज्ञात निवासी) जातीय समूह हैं।
- इन जातीय समूहों की संस्कृति समान है और ये नागालैंड और नागा स्व-प्रशासित क्षेत्र में बहुसंख्यक आबादी का निर्माण करते हैं।
- नागा स्व-प्रशासित क्षेत्र म्यांमार के सागिंग क्षेत्र के नागा पहाड़ियों में स्थित है।

अन्य प्रसिद्ध नागा त्यौहार:

- हॉर्नबिल उत्सव के अलावा, नागाओं का अन्य लोकप्रिय त्योहार लुई नगाई नी है।
- यह बीज बोने का त्योहार है जो मणिपुर की नागा जनजातियों द्वारा मनाया जाता है। वसंत ऋतु की शुरुआत को चिह्नित करने के लिए यह फरवरी के महीने में मनाया जाता है।

हॉर्नबिल पक्षी के बारे में:

- हॉर्नबिल पक्षी उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय एशिया, अफ्रीका और मेलानेशिया में आम है।
- इस त्योहार का नाम इस पक्षी के नाम पर रखा गया है, क्योंकि यह कई स्थानीय लोककथाओं का केंद्र है।
- साथ ही, राज्य की जनजातियां इस पक्षी को पवित्र मानती हैं। हॉर्नबिल पक्षी की IUCN स्थिति "के निकट" है।

6. PANEX-21 अभ्यास:



- हाल ही में, बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (बिस्स्टेक) देशों के लिए बंगाल की खाड़ी पहल के सदस्य देशों के लिए PANEX-21 के लिए एक प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किया जाना है।
- PANEX-21, एक मानवीय सहायता और आपदा राहत अभ्यास है।

PANEX-21 अभ्यास के बारे में मुख्य तथ्य:

- यह एक बहुराष्ट्रीय आपदा राहत अभ्यास है।
- यह अभ्यास बिस्स्टेक देशों के बीच आयोजित किया जाएगा: भूटान, बांग्लादेश, नेपाल, म्यांमार, श्रीलंका, भारत और थाईलैंड।
- इस अभ्यास का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक आपदाओं के जवाब में क्षेत्रीय सहयोग का निर्माण करना है।
- इसका आयोजन पुणे में 20 दिसंबर से 22 दिसंबर तक किया जाना है।

यह अभ्यास कैसे आयोजित किया जाएगा?

- इस अभ्यास के प्रतिभागियों को आठ सिंडिकेट में विभाजित किया जाएगा। एक सिंडिकेट भाग लेने वाले देशों से और दो भारत से।
- यह प्राकृतिक आपदा से निपटने में सदस्य देशों की क्षमताओं का विश्लेषण करेगा। ये देश अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करेंगे।
- यह अभ्यास तैयारियों और प्रतिक्रिया की प्रक्रियाओं की समीक्षा करेगा। इसके बाद यह संगठित ढांचे के विकास की सिफारिश करेगा।

- इस अभ्यास के दौरान, सभी देश सैन्य-से-सैन्य सहयोग प्रोटोकॉल पर चर्चा करेंगे।

यह अभ्यास क्यों महत्वपूर्ण है?

- हाल ही में, बंगाल की खाड़ी में चक्रवात अधिक विनाशकारी होते जा रहे हैं और इसका मुख्य कारण जलवायु परिवर्तन है। समुद्री सतह के तापमान में वृद्धि, चक्रवातों को और अधिक शक्तिशाली बनाने के लिए जिम्मेदार है। समुद्र की सतह के तापमान में वृद्धि से चक्रवातों की वायु की गति बढ़ जाती है। चक्रवात अम्फान की वजह से लगभग 13 बिलियन अमरीकी डालर की बर्बादी हुई थी।
- इन हादसों का मुख्य कारण पारिस्थितिक संवेदनशील क्षेत्रों में अनियोजित विकास है जो बढ़ते तीव्र चक्रवातों से उत्पन्न जोखिमों को दूर करने में विफल रहता है।
- इन कारणों से तैयार रहने की आवश्यकता है। इस प्रकार, तटीय देशों के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता है।

7. स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 ने यूएनडीपी के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए:



- हाल ही में, आवासीय और शहरी मामलों के मंत्रालय और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। देश में कचरा प्रबंधन क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए इस पर हस्ताक्षर किए गए थे।

इस समझौता ज्ञापन के बारे में मुख्य तथ्य:

- इस समझौता ज्ञापन के अंतर्गत, यूएनडीपी देश में 75 स्मार्ट स्वच्छता केंद्र स्थापित करने में सहायता करेगा।
- साथ ही, यूएनडीपी का लक्ष्य अनौपचारिक कचरा बीनने वालों को एकीकृत करने में भारत की मदद करना है। यह उन्हें सरकारी कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने में भारत की सहायता करेगा।
- इस समझौता ज्ञापन के उद्देश्य में अपशिष्ट प्रवाह का डिजिटलीकरण और स्वच्छता केंद्रों में गतिविधियों को सुव्यवस्थित करना भी शामिल है। यह स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 के अंतर्गत अपनाए गए उपायों में मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग को प्रोत्साहित करेगा।
- इस समझौता ज्ञापन के अनुसार, यूएनडीपी ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और प्रयुक्त जल प्रबंधन में भारत की सहायता करेगा।
- साथ ही, यूएनडीपी भारत को कचरा प्रबंधन के लिए टिकाऊ मॉडल को बढ़ावा देने और उन्हें पुनर्जीवित करने में सहायता करेगा।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर क्यों किया गया है?

- यह समझौता ज्ञापन स्वच्छ भारत मिशन शहरी 2.0 को अपने शून्य अपशिष्ट लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद करेगा।
- अनौपचारिक कचरा बीनने वालों के जीवन में सुधार लाने के लिए भी इस पर हस्ताक्षर किए गए थे।

क्या है इस समझौता ज्ञापन का महत्व?

- ठोस अपशिष्ट प्रबंधन स्वच्छ भारत मिशन - शहरी का मुख्य लक्ष्य है।
- यह, नगरपालिका ठोस कचरे के वैज्ञानिक प्रसंस्करण और इस कचरे के स्रोत पृथक्करण पर केंद्रित है।
- यह समझौता ज्ञापन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को और मजबूत करेगा।

समझौता ज्ञापन से भारत को कैसे लाभ होगा?

- यह शहरों को "कचरा मुक्त" बनाने के अपने दृष्टिकोण को प्राप्त करने में भारत की सहायता करेगा।

- यह स्वच्छ भारत मिशन - शहरी 2.0 के उद्देश्य के अनुसार 100% अपशिष्ट प्रसंस्करण प्राप्त करने में मदद करेगा।
- इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य शहरी भारत में "स्वच्छ वायु, स्वच्छ जल, स्वच्छ भूमि" के दृष्टिकोण को साकार करना है। इसे 3R (रिड्यूस, रीयूज और रिसाइकल) सिद्धांत पर आधारित व्यापक दृष्टिकोण के माध्यम से प्राप्त किया जाना है।